९

सुनें कहानी

आलू की सड़क

0122CH09

एक भालू था। उसे नानी के घर दूर जाना था। रास्ते में खाने के लिए भालू ने बोरा-भर आलू पीठ पर रख लिए।

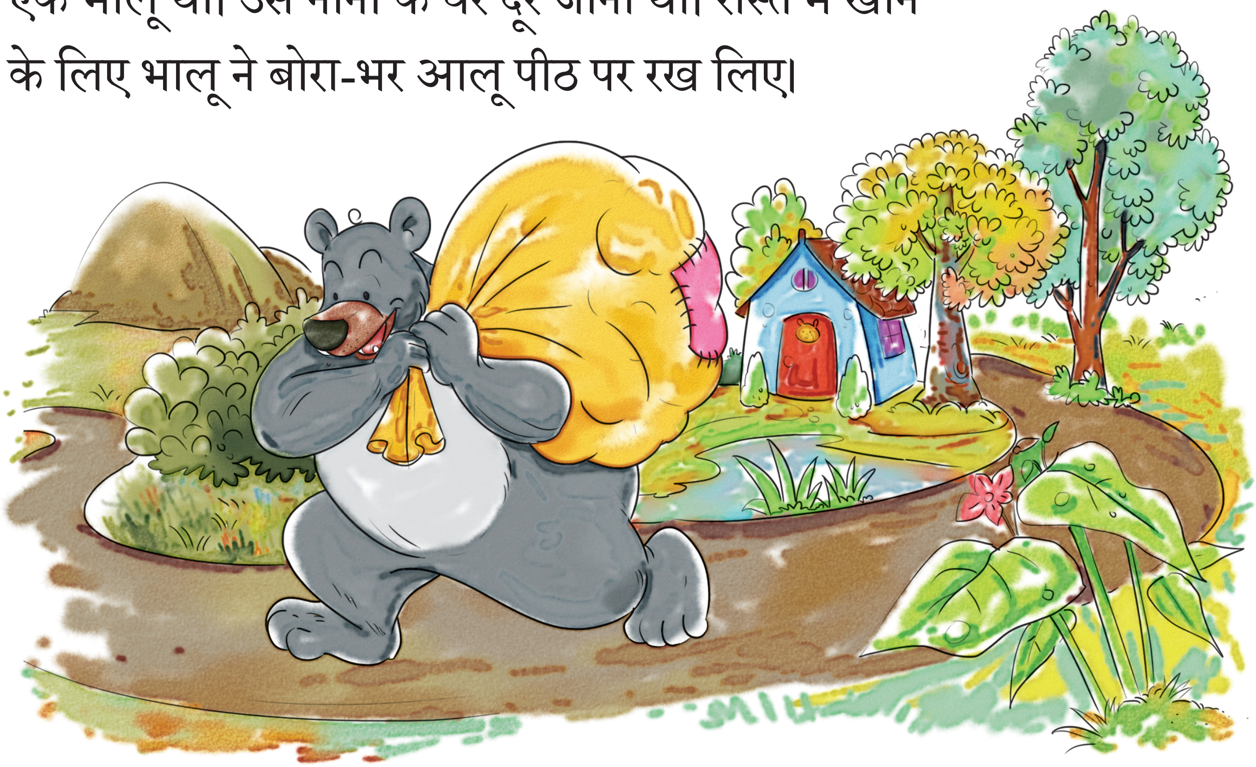

पर बोरे में तो छेद था।
भालू आगे बढ़ता
जाता— धप्प, धप्प, धप्प।
बोरे से आलू टपकते
जाते— टप्प, टप्प, टप्प।

रास्ते में पीपल के पेड़ पर एक बंदर बैठा था।
उसने भालू से पूछा,
“कहाँ जा रहे हो, भैया”?
लेकिन उत्तर में बंदर ने बस धप्प, टप्प,
धप्प, टप्प, धप्प, टप्प ही सुना।

उसने पेड़ से नीचे देखा। रास्ते में आलू पड़े हुए थे।
यह देखकर बंदर मन-ही-मन बोला– भालू चाहे
न बताए, पर मैं पता लगा सकता हूँ।
वह खुश होकर पेड़ से नीचे उतरा।

– चंदन यादव

शिक्षण-संकेत – बच्चों को इस कहानी को अपनी भाषा में सुनाने के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चे ‘भालू’, ‘बंदर’, ‘नानी’ आदि से जुड़ी अन्य कहानी या कविता भी सुना सकते हैं।

बातचीत के लिए

1. बंदर ने कैसे पता लगाया होगा कि भालू कहाँ जा रहा है?
2. भालू ने बंदर को कोई उत्तर क्यों नहीं दिया होगा?
3. यदि रास्ते में पानी होता, तब धप्प की जगह क्या आवाज़ आती?
4. अगर बोरे में छेद नहीं होता, तो कहानी में आगे क्या होता? अपनी कहानी सुनाइए।

आवाज़ें तरह-तरह की

हमें आस-पास कई प्रकार की आवाज़ें सुनाई देती हैं,

जैसे –
- घंटी बजने पर 'टन-टन'
- बादल गरजने पर 'घड़-घड़'
- पानी टपकने पर 'टप-टप'

बताइए, इन वस्तुओं की आवाज़ें कैसी होती हैं –

- पानी में चलना

- सूखे पत्तों पर चलना

- गुब्बारा फूटना

- बर्तनों का गिरना

- बारिश की बूँदों का गिरना

- माँ का पुकारना

शिक्षण-संकेत – बच्चे जो भी उत्तर दें, उन्हें स्वीकार करें। आस-पास की अन्य आवाज़ों के बारे में भी चर्चा करें।

सही उत्तर चुनकर लिखिए –

1. बंदर कौन-से पेड़ पर बैठा था? .... (पीपल / बेर)

2. भालू कहाँ जा रहा था? .... (नानी के घर / दादी के घर)

3. भालू ने बोरे में क्या रखा था? .... (आलू / मूली)

नीचे दिए गए चित्रों को वाक्यों के साथ जोड़िए –

भालू ने बोरा-भर आलू पीठ पर रख लिए। •

पीपल के पेड़ पर बंदर बैठा था। •

रास्ते में आलू पड़े हुए थे। •

शिक्षण-संकेत – बच्चों को उँगली रखकर वाक्य पढ़कर सुनाएँ। बच्चों को अपनी भाषा में इन बातों और 'भालू', 'बोरा', 'आलू', 'पेड़', 'बंदर', 'पीठ' आदि शब्दों के नाम बताने के लिए प्रोत्साहित करें।

शब्दों का खेल

1. 'ब' से शुरू होने वाले शब्दों को पहचानिए, अनुमान लगाकर पढ़िए और लिखिए –

जलेबी
....

डमरू
....

तारा
....

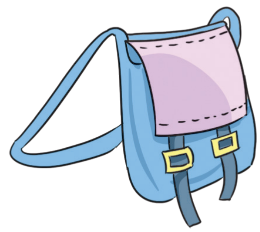
बस्ता
....

2. नीचे दिए गए चित्रों के नाम सुनिए –

उल्लू

कुरता

सुराही

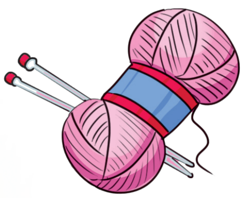
ऊन

फूल

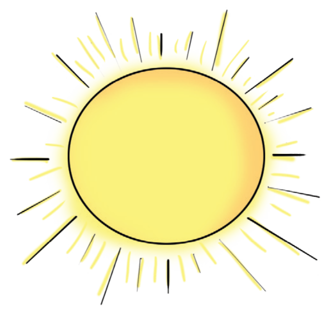
सूरज

बताइए, इन नामों की पहली ध्वनि में क्या अंतर है?

3. **नीचे दिए चित्रों के नाम बताइए और लिखिए –**

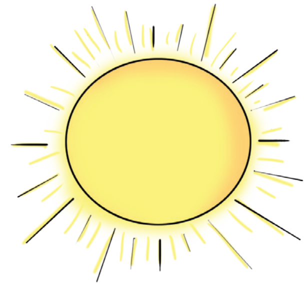

भालू सड़क टमाटर सूरज

4. **'भालू' शब्द में 'भा' और 'लू' अक्षर जुड़े हुए हैं। यदि 'भा' की जगह 'का', 'ला', 'ता', 'बा', 'शा' जोड़ें, तो क्या शब्द बनेगा? इन्हें लिखिए और पढ़कर सुनाइए –**

का	लू	.... कालू ....
ला		....
ता		....
बा		....
शा		....

5. **सबसे बड़े पत्ते में हरा रंग भरिए –**

शिक्षण-संकेत – 'उल्लू', 'कुरता', 'बगुला', 'ऊन', 'फूल', 'सूरज', 'उल्टा', 'तरबूज' आदि शब्दों की सहायता से बच्चों को 'उ' और 'ऊ' की ध्वनि, आकृति और इनकी मात्राओं (ु एवं ू) से परिचित कराएँ। 'लू' से बनने वाले अन्य शब्द भी पूछें।